Cause — Obsessive-compulsive के प्रमुख कारण निम्नांकित हैं :—

(i) Psychiatrist द्वारा किये गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस तरह के रोग का आधार आनुवंशिकता है। यह उन्हीं लोगों में तेजी से विकसित होता है जिनके माता-पिता में तीव्र अधीरता या घबराहट के होने का इतिहास पहले से होता है।

(ii) जो व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में काफी कठोरता से नियमितता एवं क्रमबद्धता का पालन करते हैं, उनमें ऐसे रोग होने की संभावना अधिक होती है।

(iii) इस तरह का मानसिक रोग उन व्यक्तियों में भी तेजी से विकसित होता है जिनमें दोषाभाव एवं आत्मनिन्दा की भावना अधिक होती है।

(iv) वैसे घरों में पले बच्चे जिनका वातावरण अधिक अमैत्रीपूर्ण, अतिसंयमी तथा जिनके माता-पिता सफाई, पूर्णता, ~~[illegible]~~ समयनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा आदि पर अधिक बल डालते हैं, में इस तरह का रोग तेजी से पनपता है।

(v) किसी अप्रिय एवं दुःखद अनुभूतियों को भूल जाने के प्रयास में व्यक्ति स्थानापन्न विचार एवं क्रियाओं के रूप में ऐसे मनोग्रसित विचारों को विकसित कर लेता है। उसी तरह एक ही कार्य को बार-बार करने की बाध्यता से भी व्यक्ति अपने आप को इतना व्यस्त रखता है कि उसे न कोई अप्रिय बात सोचने का और न ही करने का मौका मिल पाता है।

इत्यादि।

Treatment → सामान्यतः इस रोग का उपचार Behaviour therapy, Psychodrama, Suggestion आदि के द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस रोग का उपचार निम्नांकित तरीकों से भी किया जाता है—

(i) रोगी को विचार तथा क्रिया में अन्तर करना सीखना चाहिए तथा उन्हें इससे अवगत रहना चाहिए कि उनके विचार तथा क्रियाएँ अन्य लोगों के समान ही है।

(ii) रोगी को काल्पनिक एवं वास्तविक खतरों के बीच अन्तर करना सीखना चाहिए ताकि वह इन दोनों के बीच अन्तर करके उचित-अनुचित का निर्णय कर सके।

(iii) जब रोगी ऐसे मनोग्रस्ति-बाध्यता प्रतिक्रियाएँ न करे तो उससे पर्याप्त पुनर्बलन या पुरस्कार देना चाहिए ताकि वह ऐसी प्रतिक्रियाएँ न करना सीख जाए।

स्पष्ट हुआ कि obsessive-compulsive Reaction एक तरह का ऐसा स्नायुविकृत प्रतिक्रिया है जिनका संबंध विचार एवं व्यवहार या क्रिया दोनों में विसंगति से होता है।

=